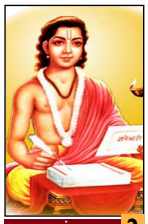

पृष्ठ संख्या 2

डाक पंजीयन संख्या- RJ/JPM/160/2024-26

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

CBC CODE-134222

सम्पादकः राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्षः 05 | अंकः 12 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, मंगलवार 22 सितम्बर, 2026 | मूल्यः 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक संगीत कलाकार सम्मान समारोह सफलतापूर्वक हुआ संपन्न

जयपुर (संस्कार सृजन) 14 सितंबर को हिंदी दिवस पर अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ संगीत कलाकार सम्मान समारोह 2026 शास्त्री नगर स्थित साइंस पार्क ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। गलता पीठाधीश्वर अवधेश कुमार महाराज और विश्व प्रसिद्ध वीणा वादक, पद्मभूषण पंडित विश्वमोहन भट्ट मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे। समारोह का आयोजन कला मर्मज्ञ और राष्ट्रपति से सम्मानित आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया ने किया।

देश भर से आए 125 वरिष्ठ कलाकारों को प्रशस्ति सम्मान पत्र गोल्डन फ्रेम और पारदर्शी एक्रेलिक शीट में तैयार किया गया । सभी को मंच पर बुलाकर सम्मान प्रदान किया।

सत्यनारायण पाटोदिया ने कहा कि संगीत सीखने, साधना करने और सृजन करने की कोई उम्र नहीं होती, समाज अक्सर प्रसिद्ध कलाकारों को तो पहचान लेता है लेकिन ऐसे अनेक वरिष्ठ साधक भी हैं जिन्होंने बिना किसी प्रचार और अपेक्षा के अपना पूरा जीवन संगीत और नृत्य को समर्पित कर दिया। यह आयोजन उन्हीं मौन साधकों को समाज के सामने पहचान देने का प्रयास है।

इस अवसर पर दिल्ली से प्रोफेसर डॉ. रवि शर्मा तथा स्वर्गीय विश्व प्रसिद्ध कथक नृत्याचार्य पंडित तीर्थराम आज़ाद की धर्मपत्नी विमला देवी शर्मा भी विशेष रूप से पधारीं। पूरा कार्यक्रम बड़े ही अनुशासित और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. राम शर्मा आचार्य, जयपुर संगीत महाविद्यालय ने किया।

गोविंदगढ़ में ग्रामीण एसपी के सामने घिनोई में पेड़ कटाई का मामला उठा

चौमूं (संस्कार सृजन) गोविंदगढ़ जयपुर ग्रामीण एसपी हनुमान प्रसाद मीणा शनिवार को गोविंदगढ़ पुलिस थाने में जनसुनवाई के लिए पहुंचे। इस दौरान कालाडेरा, सामोद, गोविंदगढ़ सहित आस-पास के क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी समस्याएं एसपी के समक्ष रखीं।

जनसुनवाई के दौरान घिनोई क्षेत्र में पेड़ कटाई से जुड़े मामले को लेकर भी ग्रामीणों ने एसपी हनुमान प्रसाद मीणा को समस्या से अवगत कराया। ग्रामीणों ने पेड़ों की कटाई को लेकर कार्रवाई की मांग रखते हुए मामले की जांच करवाने की बात कही।

एसपी मीणा ने फरियादियों की समस्याएं एक-एक कर सुनीं और संबंधित पुलिस अधिकारियों को मामलों की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में पुलिस गोविंदगढ़ थाना अधिकारी विनोद सांखला सहित कई अधिकारियों के साथ सीएलजी सदस्य बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिवस पर चौमूं में 500 दीप प्रज्वलित कर की दीर्घायु की कामना

चौमूं (संस्कार सृजन)

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिवस के पावन अवसर पर चौमूं के मोरीजा रोड स्थित कागलिया हनुमान मंदिर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंदिर प्रांगण में 500 दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर राष्ट्रसेवा की मंगलकामना की। इस दौरान मंदिर में भव्य महाआरती का आयोजन कर देश की समृद्धि की प्रार्थना भी की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सनातन परंपरा में दीप प्रज्वलन प्रकाश, शुभता और मंगलकामना का पावन प्रतीक है। आज प्रज्वलित 'आशीर्वाद का दीया' जनस्नेह एवं आस्था के प्रकाश से दीप्तिमान होकर प्रधानमंत्री जी की 25 वर्षों की

निष्काम राष्ट्रसेवा को नमन करता है और विकसित, समृद्ध एवं सशक्त भारत के संकल्प के प्रति हमारी शुभेच्छाओं को अभिव्यक्त करता है। रामलाल शर्मा ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस एवं सार्वजनिक जीवन में जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत की गई है।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस एक माह के अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर में सेवा, जनजागरूकता और जनभागीदारी से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस गरिमामयी अवसर पर बांसा मंडल अध्यक्ष शंकर गागोरिया, पूर्व वाइस चेयरमैन कालूराम जाट, पूर्व कृषि मंडी अध्यक्ष दिनेश गोरा, उपाध्यक्ष अर्जुन यादव, जिला मंत्री अरविंद यादव, रामलाल चोपड़ा, बलबीर सरपंच शर्मा, महेश सरपंच, कालूराम बड़बड़वाल, मुकेश बलेसरा, जमनलाल सैनी, नानछीलाल शर्मा, श्याम बांसा सहित सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

रिलायंस फाउंडेशन स्कॉलरशिप के लिए 5 अक्टूबर तक करें आवेदन

जयपुर (संस्कार सृजन) सेठ आरएल सहरिया राजकीय पीजी महाविद्यालय, कालाडेरा में अध्ययनरत नियमित स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए रिलायंस फाउंडेशन द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्रवृत्ति योजना शुरू की गई है। पात्र विद्यार्थी 5 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर इस छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।कार्यवाहक प्राचार्य प्रोफेसर सुमन भाटिया ने बताया कि विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में रिलायंस फाउंडेशन की यह छात्रवृत्ति योजना महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने महाविद्यालय के सभी पात्र विद्यार्थियों से अपील की कि वे योजना के पात्रता मानदंड एवं दिशा-निर्देशों का अवलोकन कर निर्धारित समय-सीमा में अपना आवेदन सुनिश्चित करें।

उन्होंने बताया कि छात्रवृत्ति के लिए आवेदन प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क है। आवेदन 14 अगस्त 2026 से प्रारंभ हो चुके हैं तथा आवेदन की अंतिम तिथि 5

अक्टूबर 2026 निर्धारित है। चयन प्रक्रिया के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए एप्टीट्यूड टेस्ट 6 सितम्बर से 12 अक्टूबर 2026 के मध्य आयोजित किया जाएगा, जबकि परिणाम की घोषणा दिसंबर 2026 में प्रस्तावित है। महाविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों को निर्देशित किया है कि ऑनलाइन आवेदन करते समय सभी आवश्यक जानकारी एवं दस्तावेज सावधानीपूर्वक उपलब्ध कराएं तथा आवेदन के बाद निर्धारित तिथियों के अनुसार एप्टीट्यूड टेस्ट में सम्मिलित होना सुनिश्चित करें। साथ ही विद्यार्थियों से अपने सहपाठियों एवं अन्य पात्र विद्यार्थियों तक भी इस छात्रवृत्ति योजना की जानकारी पहुंचाने का आह्वान किया गया है।

रिलायंस फाउंडेशन स्कॉलरशिप से संबंधित पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज एवं अन्य विस्तृत दिशा-निर्देश संबंधित आवेदन पोर्टल पर उपलब्ध हैं। महाविद्यालय प्रशासन ने पात्र विद्यार्थियों से इस शैक्षणिक अवसर का अधिकाधिक लाभ उठाने का आग्रह किया है।

शॉर्ट फिल्म 'दूरियां' को दर्शकों का मिल रहा जबरदस्त प्यार

जयपुर (संस्कार सृजन) संस्कार सृजन संस्था के बैनर तले निर्मित शॉर्ट फिल्म दूरियां 16 सितम्बर 2026 को सुबह 8:15 बजे इंडिया यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुई । फिल्म के रिलीज होते ही दर्शकों ने हाथों हाथ लिया ।

फिल्म के डायरेक्टर राम गोपाल सैनी ने बताया कि आज के जमाने में एक ही घर में रहकर पिता और पुत्री के बीच किस प्रकार से दूरियां उत्पन्न हो जाती हैं । इसी को लेकर यह शॉर्ट फिल्म बनाई गयी है । फिल्म में संदेश दिया गया है की कैसे आज के जमाने में बच्चों के साथ संवाद स्थापित कर दूरियों को मिटाया जा सकता है। इस शॉर्ट फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में प्रिया शर्मा, सुनील शर्मा और नारंगी देवी ने अभिनय किया है ।एडिटिंग रजनीश सैनी की है । वहीं फिल्म के सह-

निर्देशक संदीप शर्मा और मोहन सैनी ने बताया कि इससे पहले भी संस्कार सृजन संस्था द्वारा निर्मित अनमोल जीवन, अपमान, सच्ची आज़ादी और राखी जैसी शॉर्ट फिल्म इंडिया यूट्यूब चैनल पर रिलीज हो चुकी हैं, जिसे दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है । चैनल आगे भी सामाजिक सन्देश देने वाली शॉर्ट फिल्मों का निर्माण कर नए कलाकारों को मौका देता रहेगा ।

संपादकीय

किशाऊ बांध परियोजना के अक्स में

किशाऊ बहुउद्देश्यीय बांध परियोजना को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में छह राज्यों के बीच हुआ ऐतिहासिक समझौता निश्चित रूप से देश में सहकारी संघवाद की धारणा को एक नई मजबूती प्रदान करता है। तीन दशकों से लंबित इस विवाद का सुलझना और हिमाचल प्रदेश को बिना किसी बड़े वित्तीय निवेश के सालाना करीब 1200 करोड़ रुपए की आय व 211 मेगावाट मुफ्त बिजली का दावा, आर्थिक दृष्टि से प्रदेश को एक बड़ा संबल देने वाला प्रतीत होता है। यह नीतिगत मोर्चे पर राज्य के वित्तीय हितों की रक्षा का एक बड़ा उदाहरण हो सकता है। परंतु, राजनीति और अर्थशास्त्र के तात्कालिक लाभ की इस चमक के बीच, एक यक्ष प्रश्न यह भी खड़ा होता है कि कहीं हमने वर्तमान के त्वरित वित्तीय मुनाफे को देखते हुए हिमाचल प्रदेश के दूरगामी हितों को तो दांव पर नहीं लगा दिया है? पहाड़ों की संवेदनशील पारिस्थितिकी, जल-जंगल-जमीन के भारी नुकसान और बड़ी आबादी के विस्थापन के साथ केवल कुछ वित्तीय लाभ के लिए अपने हिस्से के पानी को तीन राज्यों को देना कुछ ऐसे गंभीर विषय हैं, जो यह सोचने पर मजबूर करते हैं कि क्या इस ऐतिहासिक समझौते की आड़ में प्रदेश के अधिकारों और भविष्य के साथ कोई समझौता तो नहीं हुआ है? इस अंतर्विरोध को समझने और एक सही निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए हमें इस समझौते के सभी नीतिगत तथ्यों और छिपे हुए पहलुओं को गहराई से समझना जरूरी है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की सीमा पर बहने वाली यमुना की सहायक टोंस नदी पर किशाऊ बांध परियोजना का निर्माण किया जा रहा है। इसके तहत सांभर खेड़ा नामक स्थान पर लगभग 232.6 मीटर ऊंचा कंक्रीट ग्रेविटी बांध बनाया जाएगा, जिसका निर्माण और डूब क्षेत्र करीब 39 वर्ग किलोमीटर के पहाड़ी व नदी घाटी क्षेत्र में फैला हुआ है। इस परियोजना के कारण दोनों राज्यों की कुल 2950 हेक्टेयर भूमि जलमग्न होगी। इसमें हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले की 1498 हेक्टेयर भूमि शामिल है जिससे वहां के 8 गांव प्रभावित होंगे, जबकि उत्तराखंड के देहरादून जिले की 1452 हेक्टेयर भूमि इसकी चपेट में आएगी जिससे वहां के 9 गांवों पर असर पड़ेगा। कुल मिलाकर इस बांध से दोनों राज्यों के 17 गांवों के लगभग 5500 लोग प्रभावित होंगे। विस्थापन के लिहाज से हिमाचल के सिरमौर जिले के शिलाई क्षेत्र के 8 गांवों के कुल 2092 लोगों के विस्थापित होने का अनुमान है। इस पूरी डूब भूमि में से केवल 512 हेक्टेयर भूमि ही कृषि योग्य है, जिसमें सिरमौर जिले के किसानों की लगभग 262 हेक्टेयर (3236 बीघा) खेती की जमीन जलाशय में समाहित हो जाएगी। इसके अतिरिक्त सारी वन भूमि है जो इस योजना के अंतर्गत आ रही है। यमुना नदी के जल प्रबंधन और मानसून में आने वाली भीषण बाढ़ के स्थायी समाधान के रूप में, उसकी सबसे बड़ी सहायक टोंस नदी पर किशाऊ परियोजना की रूपरेखा तैयार की गई थी। इस दूरगामी योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए 12 मई 1994 को हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश के बीच एक ऐतिहासिक जल-बंटवारा समझौता हुआ, जिसके तहत हरियाणा को 40.6, उत्तर प्रदेश को 30.1, राजस्थान को 10.4, दिल्ली को 6.3 और हिमाचल प्रदेश को 1.7 प्रतिशत जल आवंटित किया गया, जबकि परियोजना से उत्पन्न बिजली पर हिमाचल और उत्तर प्रदेश का 50-50 प्रतिशत अधिकार तय हुआ। वर्ष 2000 में उत्तर प्रदेश के विभाजन के बाद जब उत्तराखंड राज्य का गठन हुआ, तो उसे भी भौगोलिक स्थिति के कारण इस परियोजना में बराबर का हिस्सेदार स्वीकार किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 20 जून 2015 को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बीच एक अत्यंत महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस 2015 के समझौते के तहत दोनों पर्वतीय राज्यों ने 50 : 50 प्रतिशत की समान हिस्सेदारी के साथ एक संयुक्त उद्यम कंपनी के गठन पर सहमति जताई, जिसका मुख्य उद्देश्य परियोजना से उत्पादित होने वाली 660 मेगावाट बिजली और उसके निर्माण में लगने वाली 'पावर कंपोनेंट' की लागत को आपस में आधा-आधा बांटना था। हिमाचल और उत्तराखंड को इस परियोजना की अत्यधिक निर्माण लागत के चलते कोई खास उपयोगिता नजर नहीं आ रही थी, जिसके कारण यह योजना 30 वर्षों के बाद भी सिर्फ कागजों तक ही सीमित रही। इस परियोजना में महत्वपूर्ण मोड़ वर्ष 2025 में तब आया, जब केंद्र सरकार इसके जल घटक के निर्माण खर्च 15624 करोड़ रुपए को 90 : 10 के अनुपात में वहन करने के लिए तैयार हो गई। फलस्वरूप 15 सितंबर 2026 को केंद्र तथा सभी लाभार्थी राज्यों के बीच एक ऐतिहासिक समझौता हुआ। इसके तहत जल घटक की 90 फीसदी लागत केंद्र सरकार राष्ट्रीय परियोजना के रूप में वहन करेगी, जबकि शेष 10 फीसदी खर्च सभी छह राज्यों द्वारा साझा किया जाएगा।

जानें लालबागचा राजा का अद्भुत तिहास,मछुआरे समुदाय ने रखी थी नींव

गणेश चतुर्थी के पर्व में आकर्षण का मुख्य केंद्र लालबागचा राजा होते हैं। जिनकी ख्याति देश-विदेशों में भी है। इस पर्व को विनायक चतुर्थी के नाम से भी जाना जाता है। इस शुभ मौके पर लाल बाग में स्थापित गणपति बप्पा की विशाल मूर्ति की विशेष रूप से पूजा-अर्चना की जाती है। गणेश चतुर्थी का पर्व हिंदू धर्म का एक पावन त्योहार है। इस पर्व को महाराष्ट्र में श्रद्धा, उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस पावन पर्व के मौके पर मुंबई में 10 दिनों तक भव्य गणेश उत्सव का आयोजन होता है। इस पर्व में आकर्षण का मुख्य केंद्र लालबागचा राजा होते हैं। जिनकी ख्याति देश-विदेशों में भी है। इस पर्व को विनायक चतुर्थी के नाम से भी जाना जाता है। इस शुभ मौके पर लाल बाग में स्थापित गणपति बप्पा की विशाल मूर्ति की विशेष रूप से पूजा-अर्चना की जाती है।

लाल बाग के राजा हैं विश्व प्रसिद्ध-बता दें कि मुंबई के सबसे लोकप्रिय और फेमस गणेश पंडाल को लालबागचा राजा के नाम से जाना जाता है। जोकि सेंट्रल मुंबई के लालबाग बाजार के पास स्थित है। इस पंडाल में देवाधिदेव महादेव के पुत्र भगवान श्रीगणेश के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस दौरान लालबाग का नजारा बेहद मनोरम दिखता है। इस पंडाल में स्थापित होने वाली भगवान गणेश की मूर्ति नवसाचा गणपति के नाम से जानी जाती है। गणपति बप्पा का यह स्वरूप सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करने वाला होता है। यही कारण है कि लाल बागचा राजा को मन्नत का भी राजा कहा जाता है। कोली समुदाय के मछुआरों ने साल 1934 में इस परंपरा की शुरूआत की थी।

गणपति बप्पा का स्वरूप-लालबाग में विराजमान विघ्नहर्ता की अद्वितीय और आकर्षक मूर्ति 18-20 फीट ऊंची है। यह श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र है। लालबाग के राजा के इस स्वरूप को पेटेंट करवा लिया गया है। गणपति बप्पा की इस मूर्ति का निर्माण करने की जिम्मेदारी करीब 89 सालों से कांबली परिवार संभाल रहा है। भगवान गणेश के इन अनोखे स्वरूप में मूर्ति के चेहरे को थोड़ा पतला बनाया जाता है। इस दौरान गणपति बप्पा सिंहासन पर बैठे नजर आते हैं।

हर धर्म के लोग करते हैं दर्शन-लालबाग में जात-पात और धर्म के भेदभाव से अलग सभी लोग भगवान गणेश के दर्शन करने और आशीर्वाद लेने जाते हैं। लालबागचा राजा का आशीर्वाद लेने और दर्शन करने के लिए कई फेमस हस्तियां पहुंचती हैं। इस दौरान बॉलीवुड के एक्टर्स और अंबानी परिवार के लोग भी आते हैं। इस दस दिवसीय महोत्सव के दौरान पूरी मुंबई नगरी भगवान गणेश की भक्ति में डूबी नजर आती है।

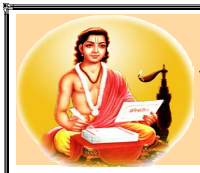

अमूल्य ज्ञान का बोध

✳ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✳ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✳ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✳ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 1।.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✳ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✳ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✳ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✳ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✳ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड़ पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

✳ सोलह श्रृंगार

1.बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. स्नान

शॉर्ट फिल्म 'गलती किसकी' जल्द होगी रिलीज़

जयपुर (संस्कार सृजन)

कला, सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था संस्कार सृजन संस्था के बैनर तले निर्मित शॉर्ट फिल्म गलती किसकी जल्द रिलीज़ होगी । फिल्म की शूटिंग जयपुर की विभिन्न लोकेशंस पर की गई है ।

फिल्म के डायरेक्टर राम गोपाल सैनी ने बताया कि आजकल के माता-पिता अपने बच्चों को बहुत आगे बढ़ते हुए देखना चाहते हैं । बच्चे भी माता-पिता के सपनों को पूरा करने के लिए एड़ी से चोटी का जोर लगाते हैं । लेकिन जब माता-पिता का बुढ़ापा आता है तो अकेलापन उनको खाता है, वहीं विदेश में बैठे बच्चे भी माता-पिता की सेवा की बात सोचकर परेशान हो रहे होते हैं और सोचते हैं कि आखिर गलती किसकी । यही कहानी इस फिल्म में दिखाई गई है । इस शॉर्ट फिल्म में राजस्थानी फिल्मों के महानायक उग्रसेन तंवर, जया पांडे, अभिनव शर्मा और अभिमन्यु शर्मा मुख्य भूमिका निभा रहे हैं । एडिटिंग रजनीश सैनी की है । जयांजलि प्रोडक्शन का शूटिंग में विशेष सहयोग रहा है ।

जानकारी के लिए आपको बता दें कि इससे पहले भी संस्कार सृजन संस्था द्वारा निर्मित अनमोल जीवन, अपमान, सच्ची आज़ादी, राखी और दूरियाँ जैसी शॉर्ट फिल्म इंडिया यूट्यूब चैनल पर रिलीज हो चुकी हैं, जिसे दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है । चैनल आगे भी सामाजिक सन्देश देने वाली शॉर्ट फिल्मों का निर्माण कर नए कलाकारों को मौका देता रहेगा ।

ऋषि पंचमी पर नव कुंडीय महायज्ञ एवं ऋषि पूजन कार्यक्रम हुआ सम्पन

जयपुर (संस्कार सृजन) विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में श्री रामकृष्ण आश्रम, जयपुर रोड, चौमूं में ऋषि पंचमी के अवसर पर नव कुंडीय महायज्ञ एवं ऋषि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम महंत रामकृष्ण दास महाराज एवं गौसेवक गोपाल शरण महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ।

यज्ञ में प्रधान यजमान गोपाल शर्मा एवं रेखा शर्मा सहित 9 जोड़ों ने भाग लेकर आहुतियां दीं एवं ऋषि पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्य पंडित कैप्टन श्रीराम शर्मा एवं पंडित मनोज शर्मा के सानिध्य में 11 विद्वानों ने कार्यक्रम को विधि-विधान से संपन्न करवाया। इस अवसर पर विराज फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी ने संतों, विद्वानों एवं यजमानों को शॉल, दुपट्टा एवं तुलसी का पौधा भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम में सनातन संस्कृति, ऋषि परंपरा एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में प्रदेश वरिष्ठ संरक्षक डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, प्रदेश संरक्षक गोपाल शर्मा, प्रदेश महासचिव बनवारी लाल शर्मा, प्रदेश प्रचार-प्रसार मंत्री चंद्र प्रकाश शर्मा, प्रदेश मंत्री ओमप्रकाश रीडर, डॉ. एम.के. अग्रवाल, सत्य प्रकाश पारीक, डॉ. सुरेंद्र शर्मा, इंद्र कुमार शर्मा, नारायण लाल शर्मा, रामलाल शेरावत, डॉ. सीताराम कुमावत, शशिकांत शर्मा एवं योगेश सैनी सहित फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष : ऊर्जा बनी रहेगी, लेकिन अत्यधिक भागदौड़ से सिरदर्द या थकान की समस्या हो सकती है। कार्यक्षेत्र में नए प्रोजेक्ट मिलने के योग हैं। व्यापार में जोखिम भरे फैसलों से बचें। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। पार्टनर के साथ संवाद बनाए रखें, गलतफहमी से बचें।

वृषभ: खान-पान पर नियंत्रण रखें, पेट संबंधी समस्या हो सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। नए व्यावसायिक संपर्क बनेंगे जो भविष्य में लाभ देंगे। परिजनों का पूर्ण सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी के साथ कोई सुखद यात्रा संभव है।

मिथुन: मानसिक तनाव दूर होगा। ध्यान और योग को दिनचर्या में शामिल करें। नौकरी में पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। व्यापारिक यात्राएं फलदायी रहेंगी। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। परिवार में मांगलिक कार्य की योजना बन सकती है।

कर्क: मौसम में बदलाव के कारण सुस्ती और कफ की समस्या हो सकती है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी है। घर के वरिष्ठ सदस्यों का मार्गदर्शन मिलेगा। भावनात्मक फैसलों में सतर्कता बरतें।

सिंह : सेहत अच्छी रहेगी। नई फिटनेस दिनचर्या शुरू करने के लिए समय अनुकूल है। नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा होगी। आय के नए स्रोत बनने की संभावना है। दांपत्य जीवन में खुशहाली रहेगी। मित्रों के साथ बिताया गया समय मन को प्रसन्न करेगा।

कन्या : आंखों और त्वचा की देखभाल करें। पर्याप्त नींद लेना आवश्यक है। कार्यों में थोड़ी रुकावट आ सकती है, लेकिन धैर्य रखें। वित्तीय मामलों में सोच-समझकर कदम उठाएं। जीवनसाथी के साथ बातचीत से पुरानी गलतफहमियां दूर होंगी।

तुला: पीठ या जोड़ों में हल्का दर्द महसूस हो सकता है। खान-पान संतुलित रखें। कला, लेखन और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों को बड़ा अवसर मिल सकता है। धन लाभ के योग हैं। रिश्तों में संतुलन ना रहेगा। प्रेमी जोड़े के लिए समय अनुकूल है।

वृश्चिक : पुरानी बीमारियों से राहत मिलेगी। मानसिक रूप से मजबूत महसूस करेंगे। काम के सिलसिले में भागदौड़ रहेगी, लेकिन परिणाम आपके पक्ष में होंगे। निवेश के लिए समय अच्छा है। परिवार में कोई शुभ समाचार मिल सकता है। पार्टनर के साथ रिश्ते और मजबूत होंगे।

धनु : ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा। नियमित व्यायाम से ताजगी बनी रहेगी। उच्च अध्ययन या विदेश से जुड़े कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यापार में लाभ की स्थिति बनेगी। परिजनों के साथ तालमेल बेहतर होगा। छोटी दूरी की यात्रा का योग है।

मकर: काम के दबाव के कारण थकान हो सकती है। आराम के लिए समय जरूर निकालें। कार्यस्थल पर आपकी मेहनत का फल मिलेगा। संपत्ति या वाहन की खरीदारी की योजना बन सकती है।

पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। रिश्तों में समझदारी से काम लें।

कुंभ: सेहत में सुधार होगा। तैलीय और भारी भोजन से दूर रहें। नए विचारों पर काम शुरू करने का सही समय है। नेटवर्किंग से लाभ होगा। दोस्तों और परिवार के साथ यादगार पल बिताएंगे। प्रेम संबंध में प्रगाढ़ता आएगी।

मीन : गले या सांस से जुड़ी हल्की समस्या हो सकती है। गुनगुने पानी का सेवन करें। बजट पर ध्यान देना जरूरी है। कार्यक्षेत्र में सोच-समझकर निर्णय लें। अध्यात्म की ओर झुकाव बढ़ेगा। परिवार का माहौल शांत और सुखद रहेगा।

कहानी (बरगद का पेड़)

एक गाँव में रामनाथ नाम के एक सीधे-सादे और मेहनती किसान रहते थे। उनका एक ही बेटा था, जिसका नाम आदित्य था। रामनाथ का सपना था कि आदित्य पढ़-लिखकर शहर में एक बड़ा इंसान बने। इसके लिए उन्होंने अपनी ज़मीन के एक छोटे से टुकड़े पर रात-दिन पसीना बहाया। आदित्य पढ़ने में होशियार तो था, लेकिन उसमें एक कमी थी—वह बहुत जल्द निराश हो जाता था। अगर किसी परीक्षा में उसके अंक कम आते या कोई काम उसकी योजना के अनुसार नहीं होता, तो वह प्रयास करना छोड़ देता और अपनी किस्मत को कोसने लगता।

स्कूल पूरा करने के बाद आदित्य का दाखिला शहर के एक प्रसिद्ध कॉलेज में हो गया। कॉलेज के पहले वर्ष की अंतिम परीक्षा में आदित्य ने बहुत मेहनत की, लेकिन परिणाम उम्मीद के मुताबिक नहीं आया। उसका नाम मेरिट सूची में नहीं था। निराश और हताश होकर आदित्य अपने गाँव लौट आया। उसने तय कर लिया था कि अब वह आगे की पढ़ाई छोड़ देगा और गाँव में ही रहकर कोई छोटा-मोटा काम करेगा।

प्रभाती लाल सैनी

रामनाथ ने बेटे की उदासी देखी। उन्होंने उससे कोई सवाल नहीं किया, बस शाम को उसे अपने खेत पर चलने को कहा।

खेत के कोने में बरगद का एक बहुत विशाल और पुराना पेड़ था। रामनाथ आदित्य को उस पेड़ के पास ले गए और बोले, बेटा, इस बरगद के पेड़ को देख रहे हो? यह आज जितना विशाल और मजबूत दिखता है, हमेशा ऐसा नहीं था। जब मैंने इसे यहाँ लगाया था, तब एक भीषण सूखा पड़ा था। यह पौधा मुरझा गया था। कई बार तेज़ आँधियाँ आईं और इसकी टहनियाँ टूट गईं, लेकिन इसकी जड़ों ने कभी हार नहीं मानी। वे ज़मीन के गहरे अंदर पानी की तलाश में फैलती गईं। जितनी मुश्किलें ऊपर से आईं, इसकी जड़ें उतनी ही गहराई तक मज़बूत होती गईं। आदित्य चुपचाप पिता की बातें सुन रहा था।रामनाथ ने प्रेम से बेटे के कंधे पर हाथ रखा और मुस्कुराते हुए कहा, बेटा, असफलता जीवन का अंत नहीं है। यह तो बस एक संकेत है कि तुम्हारी जड़ें अभी पूरी तरह गहरी नहीं हुई हैं। जीवन में जब भी असफलता का तूफ़ान आए, तो पीछे हटने के बजाय अपनी मेहनत और धैर्य को और गहरा करो। असली हार परीक्षा में कम अंक पाना नहीं है, बल्कि हार मानकर प्रयास करना छोड़ देना है। पिता के इन सरल लेकिन गहरे शब्दों ने आदित्य के मन से निराशा का अंधकार मिटा दिया। उसे अहसास हुआ कि उसके पिता ने विपरीत परिस्थितियों में भी कभी हिम्मत नहीं हारी और उसे पढ़ाने के लिए लगातार संघर्ष किया। जब पिता इतनी हिम्मत रख सकते हैं, तो वह पहली ही नाकामी पर कैसे घुटने टेक सकता है?

आदित्य के अंदर एक नया उत्साह भर गया। उसने अपने पिता का आशीर्वाद लिया और अगले ही दिन शहर वापस लौट गया। इस बार उसने अपनी कमियों पर काम किया, असफलता के कारणों को समझा और दोगुनी मेहनत में जुट गया।

दो साल बाद, जब अंतिम परिणाम आया, तो आदित्य ने पूरे विश्वविद्यालय में पहला स्थान प्राप्त किया। उसे एक प्रतिष्ठित कंपनी में बड़े पद पर नौकरी का प्रस्ताव भी मिला।

जब वह गाँव पहुँचा, तो उसने अपनी सफलता का सारा श्रेय अपने पिता के चरणों में रख दिया। आदित्य ने समझ लिया था कि जीवन में महानता सफल होने में नहीं, बल्कि हर बार गिरकर फिर से उठ खड़े होने में है।

लोसल में पार्षद चोरी और गुंडागर्दी पर भड़के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली

जयपुर/सीकर(नि.सं.)। सीकर जिले की लोसल नगरपालिका में बोर्ड गठन की जोड़-तोड़ के बीच राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राज्य की भाजपा सरकार और पुलिस प्रशासन पर सीधा हमला बोला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (X) पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए जूली ने आरोप लगाया कि लक्ष्मणगढ़ के धानणी में ठहरे कांग्रेस पार्षदों को भाजपा प्रत्याशी और उनके समर्थक खुलेआम धमकियां दे रहे हैं और उन्हें जबरन उठाने (पार्षद चोरी) की कोशिश की जा रही है, जबकि पुलिस-प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मुख्यमंत्री को सीधे संबोधित करते हुए अपने बयान और वीडियो में कहा-खुलेआम गुंडागर्दी और धमकियां जूली ने कहा, मुख्यमंत्री जी, राजस्थान में भाजपा के नेता गुंडागर्दी पर उतर चुके हैं।

हिंदी सप्ताह में गूंजा काव्य का स्वर, विविध रसों से सजी काव्यगोष्ठी

दौसा (संस्कार सृजन)

देवगिरि साहित्य एवं शोध संस्थान, दौसा की ओर से आयोजित हिंदी दिवस सप्ताह के तहत ज्ञानसागर क्लासेज, दौसा में काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ शारदे के समक्ष माल्यार्पण एवं वंदना से हुआ। वरिष्ठ साहित्यकार नवल सैहणा एवं पूर्व शिक्षा अधिकारी डॉ. प्रेमवती शर्मा अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार महेश बालाहेड़ी ने संस्थान का परिचय एवं स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इसके बाद बुद्धिप्रकाश महावर ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर माँ शारदे से ज्ञान, बुद्धि एवं आशीर्वाद प्रदान करने की प्रार्थना की। काव्यगोष्ठी में भक्ति, वीर, हास्य, प्रेम तथा सामाजिक सरोकारों के विविध रंग देखने को मिले। लोकेंद्र भारद्वाज ने वो मिले जो बस मिले कुंज में, कान्हा बस ये कहे– राधिका, राधिका प्रस्तुत कर भक्ति रस की सरस अभिव्यक्ति दी, जिस पर पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। जयपुर से पधारे ललित भारद्वाज ने चरखे से काम नहीं चलता, तलवार उठानी पड़ती है जैसे ओजपूर्ण गीत के माध्यम से वीर रस का प्रभावी संचार किया। डॉ. प्रेमवती शर्मा ने 'बुढ़पा' एवं 'दुखी क्यों तू इतना' जैसी रचनाओं के माध्यम से जीवन के यथार्थ और मानवीय संवेदनाओं को स्वर दिया। वहीं निखिल शौर्य शर्मा ने अपनी ओजपूर्ण रचना के माध्यम से संघर्ष एवं सामाजिक परिस्थितियों को अभिव्यक्ति दी। उनकी प्रस्तुति पर श्रोताओं ने जोरदार तालियों से उत्साहवर्धन किया। बुद्धिप्रकाश महावर ने 'नीली आँखों वाली वो लड़की' गीत प्रस्तुत कर वातावरण को भावपूर्ण बना दिया। वरिष्ठ साहित्यकार नवल सैहणा जी ने पति-पत्नी के रिश्ते पर आधारित हास्य रचना सुनाकर श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। दिनेश तूपानी ने फिजा तेरी अदाओं की नवल गुलशन खिलाती है, अनाड़ी एक ऐसा हूँ जिसे कविता सिखाती है सुनाकर खूब वाहवाही बटोरी। काव्यगोष्ठी में बाल एवं किशोर रचनाकारों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। बाल कवि एवं अभिनेता आरव कौशिक ने मातृभाषा हमारी हिंदी है तथा चेतक की टापें लाया हूँ, रणा का भाला लाया हूँ प्रस्तुत कर श्रोताओं की सराहना प्राप्त की।

कार्यक्रम के अंत में देवगिरि साहित्य एवं शोध संस्थान की संस्थापक-अध्यक्ष डॉ. निर्मला शर्मा ने मायड़ भाषा में जल संरक्षण पर रचना प्रस्तुत कर जल बचाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन रामबाबू जी राजस्थानी ने किया। काव्यगोष्ठी के माध्यम से छात्र-छात्राओं को हिंदी साहित्य, काव्य और उसके विविध रसों से जोड़ने का सार्थक प्रयास किया गया।

जयपुर की कवयित्री डॉ. सुखमिला अग्रवाल भूमिजा को मिला साहित्य शिरोमणि 2026 सम्मान

जयपुर (संस्कार सृजन) साहित्यिक क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं निरंतर योगदान के लिए जयपुर की प्रख्यात कवयित्री डॉ. सुखमिला अग्रवाल भूमिजा को प्रतिष्ठित साहित्य शिरोमणि 2026 सम्मान से अलंकृत किया गया है। यह सम्मान बड़नगर (जिला उज्जैन) स्थित डॉ. जयकिरण शोध शिक्षण संस्थान की ओर से प्रदान किया गया।संस्थान द्वारा जारी सम्मान पत्र में डॉ. सुखमिला अग्रवाल भूमिजा की अनुपम साहित्यिक रचनात्मकता, उत्कृष्ट लेखनी और साहित्य के माध्यम से समाज निर्माण में उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की गई। यह सम्मान बड़नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जितेंद्र उदय सिंह पंड्या, संस्थान के निदेशक नितेश जोशी जय, अध्यक्ष सनत जैन परिश्रम, सचिव दिलीप पंचाक्षरी एवं कोषाध्यक्ष हितेश सोनी द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

सम्मान की अधिकृत जानकारी वरिष्ठ लेखिका, कवयित्री एवं संपादिका राजेश्वरी वाजपेयी ने डॉ. सुखमिला अग्रवाल भूमिजा को दी। इस उपलब्धि की सूचना मिलते ही उज्जैन, जयपुर सहित देशभर के साहित्यकारों एवं प्रबुद्धजनों ने उन्हें ढेरों बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

सम्मान प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए डॉ. सुखमिला अग्रवाल भूमिजा%

ने संस्थान के सभी पदाधिकारियों एवं साहित्य अनुरागियों के प्रति सहृदय आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनकी भावी साहित्यिक यात्रा के लिए एक प्रेरणास्पद सम्बल और ऊर्जा का कार्य करेगा।

फोगसी फर्टिलिटी रेगुलेशन कॉन्क्लेव का हुआ समापन

जयपुर(नि.सं.)। फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफ इंडिया (फोगसी) की ओर से आयोजित तीन दिवसीय फोगसी फर्टिलिटी रेगुलेशन कॉन्क्लेव-2026 के तीसरे दिन राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में विभिन्न एक्सपर्ट्स ने अपने विचार रखे। इस दौरान फोगसी की उपाध्यक्ष एवं कॉन्क्लेव की आयोजन अध्यक्ष डॉ.अंजू सोनी ने कहा कि फर्टिलिटी रेगुलेशन को अक्सर केवल जनसंख्या नियंत्रण के नजरिए से देखा जाता है, जबकि इसका वास्तविक उद्देश्य महिलाओं को अपनी प्रजनन क्षमता और जीवन से जुड़े निर्णय लेने का अधिकार देना है। उन्होंने कहा कि हर महिला को यह अधिकार होना चाहिए कि वह कब मां बनना चाहती है, कितने बच्चों की योजना बनाना चाहती है और अपने स्वास्थ्य, परिवार एवं परिस्थितियों के अनुसार निर्णय ले सके। फर्टिलिटी रेगुलेशन का उद्देश्य अनचाही गर्भावस्था को रोकने, सुरक्षित विकल्पों की जानकारी उपलब्ध कराने, अनावश्यक गर्भसमापन की आवश्यकता कम करने और परिवार नियोजन को महिला-केंद्रित बनाने पर जोर देना है।

केवीआईसी ने किया सेवा संकल्प खादी महोत्सव-2026 का भव्य शुभारंभ

नई दिल्ली (संस्कार सृजन)

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर गुरुवार को राजघाट स्थित गांधी दर्शन के केवीआईसी परिसर से 'सेवा संकल्प, खादी महोत्सव 2026' का भव्य शुभारंभ किया गया। यह महोत्सव 17 अक्टूबर तक देशभर में जनभागीदारी के साथ मनाया जाएगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज गोयल ने किया। इस अवसर पर दिल्ली के पूर्व मेयर जयप्रकाश के साथ खादी संस्थाओं के प्रतिनिधि, कारीगर, पीएमईजीपी लाभार्थी, प्रशिक्षु व कर्मचारी सहित अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे। इस दौरान कारीगरों ने केक काटकर प्रधानमंत्री मोदी की 25 वर्षों की सेवा, सुशासन और जनभागीदारी की यात्रा के प्रतीक स्वरूप 'संकल्प से सिद्धि' के 25 दीप प्रज्वलित किए। गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की यात्रा में सेवा, सुशासन और जनभागीदारी महत्वपूर्ण भाव रहे हैं। उन्होंने कहा कि खादी केवल वस्त्र नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, रोजगार, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्वदेशी का प्रतीक है। कार्यक्रम में पीएमईजीपी के अंतर्गत 289 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी भी संवितरण की गई। इससे देशभर में 3,366 नई परियोजनाएं स्थापित होंगी और लगभग 37,026 लोगों

खेजड़ली वृक्ष मेले में भागीदारी को लेकर पोस्टर का हुआ विमोचन

जयपुर (संस्कार सृजन) अमृता पर्यावरण संरक्षण मंच, चौमूं की ओर से आगामी खेजड़ली वृक्ष मेले में भागीदारी को लेकर तैयार किए गए पोस्टर का विमोचन क्षेत्रीय वन अधिकारी चौमूं गजेंद्र कुमावत ने किया।

मंच अध्यक्ष घनश्याम जांगिड़ ने बताया कि मंच की ओर से वीरांगना अमृता देवी एवं 363 पर्यावरण शहीदों के बलिदान को नमन करने तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से खेजड़ली वृक्ष मेले में भागीदारी की जाएगी। मंच की यह तृतीय ऐतिहासिक यात्रा-2026 होगी। यात्रा 20 एवं 21 सितंबर 2026 को चौमूं (जयपुर) से खेजड़ली (जोधपुर) के लिए रहेगी।

इस दौरान मंच की ओर से मेले में पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया जाएगा तथा वृक्षों की रक्षा एवं प्रकृति संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा। पोस्टर विमोचन के अवसर पर रेंज सहायक केशर सिंह राठौड़, सहायक वनपाल किशन लाल, मौसमी यादव, पपीन्द्र वर्मा, वनरक्षक श्री राम चौधरी, आंचल वर्मा, मंच अध्यक्ष घनश्याम जांगिड़, सचिव एवं रंगमंच कलाकार सुनील सोगण तथा कार्यकर्ता विक्की सैनी उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा जयंती पर बीएमएस ने सौंपा ज्ञापन

जयपुर (संस्कार सृजन) भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) की ओर से भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित कर देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा का पूजन एवं स्मरण किया गया। कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ से जुड़े विभिन्न संगठनों के सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता रमेश साई ने की। मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य दीनानाथ रुठला एवं एस.के. राठौर उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता दीनानाथ रुठला ने भगवान विश्वकर्मा के जीवन एवं उनकी शिल्पकला पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय परंपरा में भगवान विश्वकर्मा को देवशिल्पी के रूप में विशेष स्थान प्राप्त है। उन्होंने भगवान विश्वकर्मा से जुड़ी विभिन्न निर्माण कृतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि लंका और भगवान श्रीकृष्ण की द्वारका के निर्माण से जुड़ी मान्यताएं उनकी अद्भुत शिल्प एवं निर्माण क्षमता को दर्शाती हैं।

उन्होंने कहा कि श्रमिक और निर्माण कार्य से जुड़े लोगों के लिए भगवान विश्वकर्मा प्रेरणा के प्रतीक हैं। श्रम, कौशल और सृजन के सम्मान की भावना को समाज में मजबूत करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में जयंतीलाल, यतेंद्र कुमार ,महेंद्र सैनी, मालीराम स्वामी, महेश चतुर्वेदी, जिला प्रचार मंत्री अक्षय कुमार सहित भारतीय मजदूर संघ से जुड़े विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम के पश्चात भारतीय मजदूर संघ के प्रतिनिधिमंडल ने 17 सितंबर को राष्ट्रीय श्रम दिवस घोषित करने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। संघ की ओर से कहा गया कि भगवान विश्वकर्मा जयंती श्रम, कौशल, सृजन और श्रमिक सम्मान से जुड़ा महत्वपूर्ण अवसर है। इसलिए 17 सितंबर को राष्ट्रीय श्रम दिवस के रूप में घोषित किया जाना श्रमिक वर्ग के सम्मान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। संपूर्ण प्रदेश में जिला कलेक्टरों के माध्यम से ज्ञापन राज्य सरकार को भेजे गये। इस मांग पर आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया गया।

वीडियो शूट वाला का जयपुर में हुआ भव्य शुभारंभ

जयपुर (संस्कार सृजन) गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर शांति नगर (सिविल लाइंस, जयपुर) में नए स्टूडियो 'वीडियो शूट वाला' का भव्य शुभारंभ किया गया। इस विशेष अवसर पर राजस्थान फिल्म और संगीत जगत से जुड़ी कई नामचीन हस्तियों ने शिरकत कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

समारोह में क्षितिज कुमार, उग्रसेन तंवर, अजीत सिंह, अनमोल भैया, ओ पी शर्मा, लोकेंद्र सिंह, राज मिर्जा, रोहित और प्रमोद आर्य सहित कई चर्चित कलाकार एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने फीता काटकर स्टूडियो का उद्घाटन किया और इसके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। फिल्म एवं वीडियो निर्माण के क्षेत्र में इसे एक नए और आधुनिक अध्याय की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है।

गिरीश गर्ग के निर्विरोध सभापति बनने पर बदले सियासी समीकरण

वसुंधरा राजे और कांग्रेस विधायक से मुलाकात कर बढ़ाई हलचल

धौलपुर(वि.सं.)। धौलपुर नगरपरिषद के सभापति चुनाव ने जिले की राजनीति में नया मोड़ ला दिया है। 60 वार्डों में कांग्रेस के पास 27 पार्षद थे, लेकिन वह बहुमत से 4 कदम दूर रह गई। वहीं, निर्दलीय प्रत्याशी गिरीश गर्ग अलग-अलग राजनीतिक खेमों का समर्थन जुटाकर निर्विरोध सभापति चुन लिए गए। चुनाव परिणाम के बाद गिरीश गर्ग की राजनीतिक नजदीकियों को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है। सभापति बनने के बाद गर्ग ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का आभार जताया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके स्वागत में उन्हें भाजपा का पट्टा भी पहनाया। इसके बाद गर्ग कांग्रेस विधायक शोभारानी कुशवाह के घर भी पहुंचे और उनका आभार व्यक्त किया। सोशल मीडिया पर सामने आई इन तस्वीरों के बाद राजनीतिक हलचल और तेज हो गई है।

बहुमत से 4 सीटे दूर रही कांग्रेस: सवाल उठ रहा है कि 27 पार्षदों वाली कांग्रेस सभापति की कुर्सी तक क्यों नहीं पहुंच पाई। नगरपरिषद चुनाव में कांग्रेस को 27, भाजपा को 11, बसपा को 3 और निर्दलीयों को 9 सीटें मिली थीं। बहुमत के लिए 31 पार्षदों की जरूरत थी, यानी कांग्रेस बहुमत से सिर्फ 4 पार्षद दूर थी। सभापति चुनाव नजदीक आते ही कांग्रेस और भाजपा दोनों खेमों में रणनीतिक तैयारियां तेज हो गईं। कांग्रेस की तरफ से विधायक शोभारानी कुशवाह और पूर्व विधायक बीएल कुशवाह सक्रिय थे। वहीं, भाजपा की तरफ से डॉ. शिवचरण कुशवाह और पूर्व पशुधन बोर्ड अध्यक्ष जगमोहन बघेल ने कमान संभाली।

राजनीतिक चर्चाओं में कांग्रेस के अंदर भी अलग-अलग खेमों के सक्रिय होने की बात सामने आई। हालांकि, कांग्रेस पार्षदों के अलग-अलग गुटों में होने के दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पूर्व सीएम राजे के करीबी नेता माने जाते है गर्ग- कांग्रेस के अंदरूनी समीकरणों के बीच भाजपा समर्थित खेमे ने कारोबारी गिरीश गर्ग को निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतारा। गर्ग को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के करीबी नेताओं में गिना जाता है।साल 2020 के नगर निकाय चुनाव में भाजपा ने उन्हें उम्मीदवार बनाया था, लेकिन वे चुनाव हार गए थे। इस बार उन्होंने निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ा और अलग-अलग राजनीतिक खेमों के पार्षदों का समर्थन जुटाकर निर्विरोध सभापति का चुनाव जीत लिया।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।

उपसंपादक- रजनीश सैनी